एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

1. **Core Coruse**	**Title**	**Credits**
CC301	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I	4
CC302	आधुनिक गद्य साहित्य	4
CC303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
2. **General Elective Course**		
GEC 304 (One from pool of course)	साहित्य चिंतन के विविध आयाम / हिंदी भाषा और लोक साहित्य	4
3. **Skill Enhancement Course**		
SEC or PTI Project / Training / Internship (One from pool of course)	व्यावहारिक एवं प्रायोगिक हिंदी अनुवाद	6
		------ 22

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य–I

Core - CC301
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी साहित्य के पूर्व–मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य के पूर्व मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी।

इकाई – क

क) निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

i) **गोरखबानी**
सम्पादक – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
निर्धारित पद (1–20 पद)

ii) **पृथ्वीराज रासो**
सम्पादक – माता प्रसाद गुप्त
पद्मावती समय (खण्ड)

iii) **विद्यापति की पदावली**
सम्पादक – रामवृक्ष बेनीपुरी
निर्धारित पद – 1, 2, 11, 35, 38, 72, 141, 144, 174, 176, 191, 199, 216, 252, 253
कुल पद – 15

iv) **रचनावली – अमीर खुसरो**
दोहे (1–4), सूफी दोहे (2, 4, 6, 9, 10)
काव्य – आ साजन मोरे नैनन में, सकल बन फूल रही सरसों
काहे को ब्याहे बिदेस, छाप तिलक सब छीनी रे, जिहाल–ए–मिस्कीं मकुन,
अपनी छवि बनाई के, मोरा जोबना नवेलरा भयों, परदेसी बालम धन अकेली।

v) **कबीर**
कबीर : सम्पादक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
निर्धारित अंश
(i) पाठ्य साखियाँ – 106, 148, 157, 162, 175, 176, 177, 178, 191, 200, 201, 202, 219, 220, 222, 231, 233, 234, 240, 241, 242, 245, 246, 256
= कुल 24 साखियाँ
(ii) पाठ्य पद – 130, 134, 137, 163, 168, 207, 209, 212, 224, 228, 229, 236, 247, 250 = कुल 14 पद

ख) **आलोचनात्मक प्रश्न :**

गोरखनाथ –

- नाथ पंथ का उदय एवं परिस्थितियाँ
- नाथ पंथ और भक्ति आंदोलन
- नाथ परम्परा और गोरखनाथ
- नाथयोग दर्शन : साधना एवं स्वरूप

चन्दबरदाई

- रासो काव्य परम्परा : प्रमुख रासो काव्य एवं रचनाकार
- पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
- पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
- पद्मावती समय का काव्य सौन्दर्य

विद्यापति

- विद्यापति : भक्त या शृंगारी कवि
- विद्यापति का शृंगार वर्णन
- विद्यापति की गीति योजना
- विद्यापति का काव्य–शिल्प

अमीर खुसरो

- अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं रचना संसार
- अमीर खुसरो की हिंदी कविता
- अमीर खुसरो की कविताओं में लोक जीवन
- अमीर खुसरो की भाषा और काव्य सौन्दर्य

कबीर

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की निर्गुणोपासना
- कबीर का दार्शनिक चिंतन
- कबीर की प्रासंगिकता

सहायक ग्रंथ

1 गोरखबानी – सम्पादक, पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

2 नाथ सम्प्रदाय – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

3 नाथ सिद्धों की रचनाएं – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4 गोरखनाथ और उनका युग – रांगेय राघव, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।

5 पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन – डॉ० द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन।

6 चन्दबरदाई और उनका काव्य – विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तान एकादमी, इलाहाबाद।

7 आदिकाल की प्रमाणिक रचनाएँ – डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली।

8 विद्यापति – व्यक्ति और कवि – डॉ० रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।

9 विद्यापति – विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी।
10 अमीर खुसरो और उनका साहित्य – भोलानाथ तिवारी, प्रभात पबिलिकेश्न, नई दिल्ली।
11 कबीर व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धान्त – डॉ० सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर।
12 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ० रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या।
13 संत कबीर – राम कुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
14 संत कवि दादू और उनका काव्य – वासुदेव शर्मा, प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ व्याख्या के लिए पूछे गए कुल छः अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।
2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
आधुनिक गद्य साहित्य

Core –(CC302)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी साहित्य के आधुनिक गद्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
विभिन्न लेखकों और विभिन्न गद्य विधाओं का विशिष्ट ज्ञान।
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य के आधुनिक गद्य का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख लेखकों एवं उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

इकाई – (क)

- हिन्दी गद्य की निर्माण भूमि–फोर्ट विलियम कॉलेज
- हिन्दी गद्य का आरम्भिक स्वरूप
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यकारों का योगदान : जॉन गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्लाह खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह
- आधुनिक युग में कथेतर विधाओं का विकास

इकाई – (ख)

- गोदान (उपन्यास) – प्रेमचंद
- आधे–अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश
- नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबन्ध) – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- गेहूँ और गुलाब (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
- तुम्हारी स्मृति (संस्मरण) – माखन लाल चतुर्वेदी
- एकलव्य के नोट्स (रिपोतार्ज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- हँसते हुए मेरा अकेलापन (डायरी) – मलयज

आलोच्य विषय :

गोदान –
1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
2. कृषक जीवन का महाकाव्य
3. युगीन समस्याओं का निरूपण
4. प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

आधे अधूरे –

1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
2. आधुनिकता बोध
3. परिवार संस्था का स्वरूप
4. प्रयोगधर्मिता

निबन्ध –

1. हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास
2. नाखून क्यों बढ़ते है निबन्ध की मूल संवेदना

रेखाचित्र –

1. हिन्दी रेखाचित्र का उद्भव और विकास
2. गेहूं और गुलाब में निरूपित व्यंग्य

संस्मरण –

1. हिन्दी संस्मरण का उद्भव और विकास
2. तुम्हारी स्मृति संस्मरण का मूल प्रतिपाद्य

रिपोतार्ज –

1. हिन्दी रिपोतार्ज का उद्भव और विकास
2. एकलव्य के नोट्स का विश्लेषण
   (क) भाषा शैली (ख) प्रतिपाद्य

डायरी –

1. हिन्दी डायरी का उद्भव और विकास
2. हँसते हुए मेरा अकेलापन में व्यक्त समस्या

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।
2 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ० रामचन्द्र तिवारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
3 हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – रामबहोरी शुक्ल, भगीरथ मिश्र, हिन्दी भवन प्रकाशन, इलाहाबाद।
5 हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास – सम्पादक डॉ० अनीता यादव, डॉ० वीणा शर्मा, पेपर बेक पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
6 फोर्ट विलियम कॉलेज – डॉ० लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।
7 आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।
8 गोदान (उपन्यास) – प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9 आधे–अधूरे (नाटक) – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबन्ध – विनोद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन।

11 गेहूं और गुलाब – रामवृक्ष वेनीपुरी, जनवाणी प्रकाशन, कलकत्ता।
12 एकलव्य के नोट्स (रिपोतार्ज) – फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13 मलयज की डायरी (डायरी) – मलयज, सम्पादक –नामवर सिंह, वाणी प्रकाशन।
14 फणीश्वरनाथ रेणु के रिपोतार्ज – भारत यायावर, प्रेरणा पब्लिकेशन, भोपाल मध्य प्रदेश।
15 समय की शिला पर – संकलन भारत यायावर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16 समय के पाँव – माखन लाल चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
17 रचना से संवाद – मलयज, सम्पादक तरूण, राजकमल प्रकाशन।

निर्देश –

1 खंड ख में निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प के साथ व्याख्या के लिए पूछे गए कुल छः अवतरणों में से परीक्षार्थी को तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।

2 पाठ्यक्रम में निर्धारित क तथा ख दोनों खण्डों में से दिए गए आलोच्य विषयों में से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। खण्ड–क में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कुल 4 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे इसी प्रकार खण्ड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार दोनों खण्डों से मिलाकर निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को कुल 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Core –(CC303)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी
कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चाात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा
Course Learning outcomes :
पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ भाषा तथा कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक सम्बन्ध निर्माण करती है।
पाश्चात्य चिंतन परम्परा की समझ विकसित होगी।

इकाई – I

- प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धान्त
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – II

- ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
- वड्सवर्थ : काव्य सिद्धांत
- कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

इकाई – III

- मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- टी० एस० इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आई० ए० रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

इकाई – IV

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद –
- स्वच्छन्दतावाद
- शास्त्रीयतावाद
- अभिव्यंजनावाद
- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद

- अस्तित्ववाद
- उत्तर आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त–डॉ० मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।

2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा – डॉ० तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली।

4 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।

5 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

6 पाश्चात्य काव्य चिंतन – डॉ० करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

7 पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8 उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम – बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

9 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ – सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

10 हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार –रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11 हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

निर्देश –

1 निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
साहित्य चिंतन के विविध आयाम

(General Elective)
GEC –304
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –
हिंदी साहित्य के विभिन्न वैचारिक पक्षों का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
विभिन्न लेखकों और उनकी रचनाओं का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिन्दी साहित्य के विभिन्न वैचारिक पक्षों का विशिष्ट ज्ञान।
प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

इकाई – I

साहित्य और समाज : सैद्धान्तिक आयाम

क) साहित्य सम्बन्धी अवधारणाएँ : भारतीय एवं पाश्चात्य
ख) साहित्य का प्रयोजन
ग) साहित्य और समाज
घ) साहित्य और इतिहास
ङ) साहित्य और राजनीति
च) साहित्य और मनोविज्ञान
छ) साहित्य और संस्कृति
ज) साहित्य और अन्य कलाएं

इकाई – II

साहित्य में उद्घाटित विभिन्न समस्याएं : हिन्दी कहानियों के सन्दर्भ में

1. भूमि अधिग्रहण की समस्या
   - एक टोकरी भर मिट्टी – माधव राव सप्रे
   - लाल छींट वाली लुगडी का सपना – सत्यनारायण पटेल
2. साम्प्रदायिकता की समस्या
   - अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी
   - शरणदाता – अज्ञेय
3. उपभोक्तावादी संस्कृति और बाजार का प्रतिरोध
   - पक्षी और दीमक – गजानन माधव मुक्तिबोध
   - पीली छतरी वाली लड़की – उदय प्रकाश
4. पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था और संस्कृति
   - करवा का व्रत – यशपाल
   - पत्नी – जैनेन्द्र
5. बेरोजगारी की समस्या –
   - जेवर का डिब्बा – प्रेमचंद
   - लंदन की एक रात – निर्मल वर्मा

आलोच्य विषय

1. 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी में अभिव्यक्त भूमि अधिग्रहण की समस्या
2. 'लाल छींट वाली लुगड़ी का सपना' कहानी में अभिव्यक्त भूमि अधिग्रहण की समस्या
3. 'अमृतसर आ गया' कहानी में अभिव्यक्त सांप्रदायिकता की समस्या
4. 'शरणदाता' कहानी में सांप्रदायिकता की समस्या
5. 'पक्षी और दीमक' कहानी में उपभोक्तावादी संस्कृति और बाजारवाद का प्रतिरोध
6. 'पीली छतरी वाली लड़की' कहानी में उपस्थित उपभोगतावादी संस्कृति और बाजारवाद का प्रतिरोध
7. 'करवा का व्रत' कहानी में उपस्थित पितृसत्तात्मक समाज और संस्कृति का चित्रण
8. 'पत्नी' कहानी में अभिव्यक्त पितृसत्तात्मक समाज और संस्कृति का चित्रण
9. 'जेवर का डिब्बा' कहानी में उपस्थित बेरोजगारी की समस्या
10. 'लंदन की एक रात' कहानी में उपस्थित बेरोजगारी की समस्या

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3 साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5 साहित्यलोचन – श्यामसुन्दर दास, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद।
6 साहित्य सहचर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन।
7 साहित्य के सिद्धान्त तथा रूप – भगवती चरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8 आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9 आज और आज से पहले – कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10 सर्जना और सन्दर्भ – अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11 छठवाँ दशक (राजनीति और साहित्य शीर्षक निबन्ध) – विजयदेव नारायण साही
12. मुक्तिबोध रचनावली – खण्ड पाँच (समाज और साहित्य), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. मिट्टी की ओर – रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती, इलाहाबाद।
14. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. साहित्य का नया सौन्दर्यशास्त्र – सं० देवेन्द्र चौबे, किताबघर।
16 What is literature – Jean Paul Santre – Roultedge London
17 On Literature – j. Hilli's Miller Roultedge London.
18. प्रतिनिधि कहानियाँ – प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. प्रतिनिधि कहानियाँ – यशपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. प्रतिनिधि कहानियाँ – उदय प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. प्रतिनिधि कहानियाँ – निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. प्रतिनिधि कहानियाँ – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश –

1 निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प के साथ इकाई–1 से 4 और इकाई–2 से छः प्रश्न पूछते हुए कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम० ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष
(तृतीय सेमेस्टर)
हिन्दी भाषा और लोक साहित्य

General Elective
GEC –304
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
लोक और लोक–साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान
लोक साहित्य और उसके माध्यम
Course Learning outcomes :
लोक की अवधारणा और लोक – साहित्य की सैद्धान्तिक समझ
लोक के विश्लेषण की क्षमता

इकाई – क

- लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- लोक साहित्य का इतिहास
- लोक, संस्कृति और साहित्य
- लोक की विविध व्याख्याएँ (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं एथनोग्राफिक)

इकाई – ख

- साहित्य और लोक का अन्तर एवं अंतःसम्बन्ध
- लोक साहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति
- लोक साहित्य में परम्परा और परिवर्तन
- भूमण्डलीकरण के दौर में लोक साहित्य

इकाई – ग

- हिन्दी : लोक संस्कृति के क्षेत्र और लोक शैलियाँ
- लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य
- देवीगीत, ऋतुगीत, संस्कार गीत
- नौटंकी, स्वांग, बिदेसिया, रामलीला

इकाई – घ

- हरियाणवी भाषा : उद्भव और विकास
- हरियाणवी भाषा की बोलियाँ
- हरियाणवी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

- हरियाणवी सांग परम्परा

सहायक ग्रंथ

1 लोक – संपादक पीयूष दहिया
2 लोक का आलोक – संपादक पीयूष दहिया
3 लोक साहित्य की भूमिका – डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
4 लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय
5 लोक साहित्य विमर्श – सत्य प्रिय पाण्डेय
6 भारतीय लोक साहित्य – श्याम परमार
7 लोक नाट्य सांग : कल और आजः पूर्णचंद शर्मा
8 लोक साहित्य – सुरेश गौतम
9 लोकगीत पाठ एवं विमर्श – सत्य प्रिय पाण्डेय
10 लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य – श्याम सुन्दर दूबे
11 लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा – मनोहर शर्मा
12 हिन्दी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग : रसाल सिंह
13 Folk culture in india – S.P. Pandey, Awadesh Kumar singh
14 An outline of culture History of India – Syed Abdul Latif
15 हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन – डॉ० पूर्णचंद शर्मा
16 हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – डॉ० शंकर लाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
17 हरियाणवी भाषा और साहित्य – डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला

निर्देश –

1 निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।